## राही आगे बढ़े चलो।

चलते जलते अपने पिहाँ ह्यूट जारेंगे। जनाव आप कितना भागेंगे। यन को साथ लेकर चलो। यही आगे बढ़े चलो।

> जिंद्शी में मुक्कित तो बहुत आती हैं। चर्ती डूट कर उतका सामना करते हैं। सब को साध तेकर चर्ता। यही अही बढ़े चर्ता।

कुछ बनो ना बनो रक्त अस्हा ट्यक्ति बनना । हमेशा सब का आद्ध्य करना । सब को साथ लेकर चलो । रही आहे बढ़े चलो ।

> हमेशा अस्ति सँगती में रहना । बुरी संगती को सुधारने की केशिश कना। सब को साथ तेकर चता । राही आहो बढ़ चता।

जितनी हो सके लोशों की म्एत करना | क्या किसी को चोर न पहुँचाना | शब को शांध तेकर चलो | राही अषो बंदे चलो |

E-mails voishnove manza@gmail.com.